श्री लालचन्द कटारिया
कृषि मंत्री, राजस्थान

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री भजनलाल जाटव
कृषि राज्य मंत्री, राजस्थान

गर्मी की जुताई एक फायदे अनेक

किसान खेत की जुताई का काम अक्सर बुवाई के समय करते हैं। फसलों में लगने वाले कीट-व्याधियों की रोकथाम की दृष्टि से बुवाई के समय की गई जुताई से ज्यादा लाभ गर्मी में गहरी जुताई करके खेत को खाली छोड़ दिये जाने से मिलता है। गर्मी में गहरी जुताई करने से भूमि का तापमान बढ़ जाता है। जिससे कीटों के अण्डे, शंकु और लट खत्म हो जाते हैं।

फसल की अच्छी उपज के लिए रबी की फसल कटाई के तुरन्त बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना बहुत ही लाभदायक रहता है। क्योंकि कीटों के अण्डे, प्यूपा और लारवा खत्म होने से खरीफ के मौसम में धान, बाजरा, दलहन और सब्जियों में लगने वाले कीट–रोग का प्रकोप कम हो जाता है। अत: गर्मी में गहरी जुताई करने से कीड़े–बीमारियों से एक सीमा तक छुटकारा पाया जा सकता है।

गर्मी की जुताई के लाभ

- गर्मी की जुताई से सूर्य की तेज किरणें भूमि के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं, जिससे भूमिगत कीटों के अण्डे, शंकु, लटें व वयस्क नष्ट हो जाते हैं।
- फसलों में लगने वाले उखटा, जड़ गलन आदि रोगों के रोगाणु व सब्जियों की जड़ों में गांठ बनाने वाले सूत्रकृमी भी नष्ट हो जाते हैं।
- खेत की मिट्टी में ढेले बन जाने से वर्षा जल सोखने की क्षमता बढ़ जाती है। जिससे खेतों में ज्यादा समय तक नमी बनी रहती है।
- गहरी जुताई से दूब, कांस, मौथा, वायासूरी आदि जटिल खरपतवारों से भी मुक्ति पाई जा सकती है।
- गर्मी की जुताई से गोबर की खाद व खेत में उपलब्ध अन्य कार्बनिक पदार्थ भूमि में भली–भाँति मिल जाते हैं, जिससे पोषक तत्व शीघ्र ही फसलों को उपलब्ध हो जाते हैं।
- ग्रीष्मकालीन जुताई से पानी द्वारा भूमि कटाव में भारी कमी होती है।

गर्मी की जुताई कब करें :–

गर्मी की जुताई यथासंभव रबी की फसल कटते ही आरम्भ कर देनी चाहिए क्योंकि फसल कटने के बाद मिट्टी में थोड़ी नमी रहने से जुताई में आसानी रहती हैं।

गर्मी की जुताई कैसे करें :–

गर्मी की जुताई 15 से.मी. गहराई तक किसी भी मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। यदि खेत का ढलान पूर्व से पश्चिम की तरफ हो तो जुताई उत्तर से दक्षिण की ओर यानि ढलान को काटते हुए करनी चाहिए, जिससे वर्षा का पानी व मिट्टी न बह पाये। ट्रैक्टर से चलने वाले तवेदार मोल्ड बोर्ड हल भी गर्मी की जुताई के लिए उपयुक्त है।

गर्मी की जुताई करते समय रखें सावधानी :–

मिट्टी के बड़े–बड़े ढेले रहे तथा मिट्टी भुरभुरी न हो पाये, क्योंकि गर्मी में हवा द्वारा मिट्टी के कटाव की समस्या हो जाती है।
ज्यादा रेतीले इलाकों में गर्मी की जुताई न करें।

अधिक जानकारी के लिये निकटतम कृषि कार्यालय या किसान कॉल सेन्टर के निःशुल्क नम्बर 1800 180 1551 पर बात करें।

कृषि विभाग राजस्थान DOA

कृषि विभाग द्वारा कृषक हित में प्रकाशित

मुद्रक : गणेश आर्ट प्रिन्टर्स मो. : 9414047472 मात्रा 2.50 लाख